To,

The Additional Chief Secretary

Lok Bhawan, Bihar, Patna.

Date: 14th June 2026

Subject: Submission of Proposed Course Structure and Uniform Syllabus for M.A. in Hindi (Semester I and II) under the Two-Year Postgraduate Programme in accordance with NEP 2020 and UGC Regulations

Ref.- Letter No. BSU(UGC)-02/2023-1153/GS(1), Dated 10/06/2026

Sir,

With reference to the letter cited above, and in compliance with the directions contained therein, we are pleased to submit the proposed Course Structure and Uniform Syllabus for M.A. in Hindi for Semester I and Semester II of the Two-Year Postgraduate Programme.

The proposed curriculum has been prepared in conformity with the University Grants Commission (UGC) Regulations, the UGC Curriculum and Credit Framework for Postgraduate Programmes, and the provisions of the National Education Policy (NEP), 2020, with due emphasis on multidisciplinary learning, outcome-based education, academic flexibility, and research orientation.

The same is submitted for kind consideration and further necessary action.

Enclosed – as above.

Yours' faithfully

15.6.26

(Dr. Ram Uday Kumar)
Professor & Head, Hindi Dept.
Gaya College, Gaya
Magadh University, Bodh Gaya

15.6.26

(Dr. Chandan Kr. Shrivastava)
Sr. Assistant Professor
University Dept. of Hindi
J.P.U, Chhapra

Aakash Kumar 15.6.26

(Dr. Aakash Kumar)
Sr. Assistant Professor of Hindi
Principal-In-Charge
Rajkiya Degree Mahavidyalaya, Obra
Magadh University, Bodh Gaya

Post Graduate Curriculum Framework

With effect from the Academic Session 2026–27, the M.A. in Hindi programme in the Universities of Bihar shall be offered in accordance with the UGC Curriculum and Credit Framework for Postgraduate Programmes (PGCF) and the provisions of the National Education Policy (NEP), 2020.

The programme provides flexibility to students to pursue either a Two-Year Master's Degree Programme or a One-Year Master's Degree Programme for candidates who have completed a four-year undergraduate degree with the requisite credits and qualifications as prescribed by UGC.

The curriculum is designed under the Choice Based Credit System (CBCS) and comprises a combination of Core Courses (CCs), Discipline Specific Electives (DSEs), Generic Electives (GEs), Skill Enhancement Courses (SECs), Ability Enhancement Courses (AECs), and Value Added Courses (VACs). The programme seeks to impart advanced theoretical knowledge, computational proficiency, research aptitude, and practical skills in Statistics and its applications.

Each academic year shall consist of two semesters. Students shall be required to successfully complete the prescribed combination of Core, Elective (Discipline/Generic/Open), Skill Enhancement, Ability Enhancement, and Value Added Courses in each semester to fulfil the credit requirements of the programme.

The curriculum incorporates contemporary developments in Hindi, including (Language, Literature, Culture, Media, Public Relations, Advertisements, Translation) The syllabus and reading materials shall be reviewed periodically to ensure alignment with emerging developments in academia, research, industry, and public policy.

Teaching-learning methodologies may include lectures, tutorials, seminars, laboratory sessions, statistical computing exercises, case studies, project work, field-based applications, and research assignments. Practical training shall provide hands-on experience in the use of statistical software packages, data analysis techniques, computational tools, and real-world problem-solving.

Assessment shall be conducted through a combination of continuous evaluation and end-semester examinations, including assignments, presentations, practical examinations, projects, viva-voce examinations, and written tests, as prescribed by the authorities concerned from time to time.

Students shall have the opportunity to choose elective and generic courses in accordance with their academic interests, subject to the availability of courses and institutional regulations, thereby promoting interdisciplinary learning and specialization within the broad domain of Hindi.

पाठ्यक्रम	
स्नातकोत्तर हिंदी	
Programme Level	Master of Arts (MA)
Subject / Discipline	HINDI
Faculty	Faculty of Humanities
University	Universities of Bihar Established under the BSU AC 1976/PU Act 1976.
Duration	Two Years / Four Semesters
NHEQF Level	Level 6.5
Effective from	2026-27 onwards

A PART A — PROGRAMME OVERVIEW & OBJECTIVES

A.1 दीक्षित स्नातकोत्तर के गुण

नई शिक्षा नीति(2020) की रूपरेखा के मूल्यों के आलोक में स्नातकोत्तर हिन्दी में दीक्षित विद्यार्थी से अपेक्षित है कि वह दीक्षोपरांत संस्कृति-संपन्न, राष्ट्र-उन्मुख, शोध-प्रवण और वैश्विक परिदृश्य पर समुपस्थित अवसरों के अनुकूल एक सक्षम भाषा-पेशेवर तथा साहित्य-मर्मज्ञ होकर उभरे। स्नातकोत्तर हिन्दी भाषा और साहित्य के विद्यार्थी के मुख्य गुणों में शामिल है- विषयगत विशेषज्ञता, आलोचनात्मक चिन्तन, भाषाई प्रवीणता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना।

1. विषयगत ज्ञान-वैशिष्ट्य

- **साहित्यिक और भाषागत प्रवीणता:** हिन्दी साहित्य, साहित्य की ऐतिहासिक परंपराओं और भाषिक संरचना तथा प्रचलन का व्यापक ज्ञान।
- **बहुविषयी संबंधन की क्षमता :** हिन्दी साहित्य को अन्य अनुशासनों (यथा समाजशास्त्र, दर्शनशास्त्र, इतिहास एवं मीडिया आदि) से जोड़कर देखना ताकि साहित्य और भाषा को एक व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ में देखा-परखा जा सके।

2. भाषाई प्रवीणता एवं अभिव्यक्ति-कौशल

- **प्रभावकारी अभिव्यक्ति :** स्नातकोत्तर हिन्दी में दीक्षित विद्यार्थी से अपेक्षित है कि वह लिखित और वाचिक दोनों ही रूपों में जटिल विचारों को गढ़ने, सुकर और मुखर करने, साहित्यिक समालोचना करने तथा शोध-प्रज्ञ के रूप में अन्वेषण के निष्कर्षों को अभिव्यक्ति के बहुविध मंचों पर प्रस्तुत करने में सक्षम हो।
- **रोजगारपरक कौशल से सम्पन्न :** स्नातकोत्तर हिन्दी में दीक्षित विद्यार्थी से अपेक्षित है कि वह रचनात्मक-लेखन, संपादन-कला, अनुवाद-कर्म, पटकथा-लेखन तथा मीडिया के डिजिटल प्लेटफार्म पर संवाद-संचार के कौशल में प्रवीण हो।

3. आलोचनात्मक चिन्तन एवं विवेचनात्मक तर्क-बुद्धि

- **पाठगत व्याख्या** : किसी साहित्यिक पाठ को विवेचनात्मक तर्क-बुद्धि के सहारे पढ़ने, व्याख्या करने, मूल्यांकन करने में प्रवीणता। इसके अंतर्गत स्नातकोत्तर हिन्दी में दीक्षित विद्यार्थी से अपेक्षित है कि वह हिन्दी साहित्य के आदिकालीन, भक्तिकालीन, रीतिकालीन तथा आधुनिक काल के प्रमुख साहित्य-ग्रंथों के अर्थ-विवेचन एवं तत्संबंधी नवीन उद्भावनाओं में सक्षम हो।

- **शोध-प्रवणता** : स्नातकोत्तर हिन्दी में दीक्षित विद्यार्थी से अपेक्षित है कि वह दीक्षोपरांत साहित्य के क्षेत्र में नवीन ज्ञान के सृजन के उद्देश्य से प्रेरित हो तथा अध्ययन के क्षेत्र विशेष में शोध के नये विषयों की पहचान कर सके।

4. संस्कृतिनिष्ठता एवं मूल्य-समृद्ध जीवन-दृष्टि

- **सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना**: स्नातकोत्तर हिन्दी में दीक्षित विद्यार्थी से अपेक्षित है कि वह हिन्दी के प्राचीन, मध्यकालीन तथा आधुनिक साहित्य-ग्रंथों में परिलक्षित भारतीय सांस्कृतिक भाव-धारा, इतिहास तथा मूल्य-संपदा से संपन्न होगा।

- **समदर्शिता, समानुभूति तथा मानवता-प्रेम के गुण** : व्यापक हिन्दी साहित्य तथा स्थानीय साहित्यिक आख्यानों के सामाजिक-सांस्कृतिक सरोकारों के अनुकूल विकसित मानवता-पोषक, समदर्शी जीवन-दृष्टि।

5. पेशेवर अभिवृत्ति एवं स्वावलंबी अधिगम क्षमता का विकास

- **स्वायत्तता एवं उत्तरदायित्व-भावना:** स्नातकोत्तर हिन्दी साहित्य में दीक्षित विद्यार्थी से अपेक्षित है कि वह स्वयं-सक्षम रीति से काम कर सके।, डिजिटल संसाधनों के उपयोग में कुशल हो तथा लंबी अवधि की साहित्यिक अथवा अकादमिक परियोजनाओं के प्रबंधन में कुशल हो।

- **जीविकोपार्जन** : कौशल-अर्जन का व्यावहारिक अर्थ है कि दीक्षोपरांत विद्यार्थी आधुनिक औद्योगिक समाज की आवश्यकताओं और मांगों के अनुकूल शिक्षण, बहुविध अंतर्वस्तु-रचना तथा व्यावसायिक प्रस्तुति में सक्षम हो।

A.2 पाठ्यक्रम के उद्देश्य (POs)

- साहित्यिक पाठ से संस्कृति-बोध एवं राष्ट्र-बोध के संबंधों की सम्यक जानकारी प्राप्त करना.हिन्दी भाषा एवं साहित्य की सम्यक् जानकारी प्राप्त करना।
- हिन्दी साहित्य के वर्तमान से उसके अतीत के संबंधों की पहचान और परख करना.
- साहित्यिक पाठ को केंद्र में रखकर आलोचनात्मक चिन्तन के क्षितिज का विस्तार करना.
- हिन्दी की भाषागत समृद्धि एवं अभिव्यक्ति-कौशल के विविध रूपों की जानकारी एवं उनके व्यावसायिक उपयोग से अवगत कराना.
- विश्लेणात्मक एवं व्याख्यात्मक क्षमता का निर्माण करना तथा इस क्रम में एक से ज्यादा मत-अभिमत के प्रति सम्मान एवं स्वीकार-भाव की आवश्यकता से अवगत कराना.
- आलोचनात्मक लेखन को रचनात्मक लेखन के अभिन्न अंग के रूप में देखने और मूल्यांकित करने का कौशल विकसित करना तथा लेखन-कला में प्रवीणता प्राप्ति के लिए विद्यार्थी को सक्षम बनाना।
- भारतीय ज्ञान-परंपरा के सम्यक अनुशीलन के सहारे विद्यार्थी में भारतीय रचनात्मक मनीषा की विशिष्टता और विश्वदृष्टि से परिचित कराना तथा भारतीय संस्कृति तथा परंपरा की विशालता से परिचित कराना।

- शोधोन्मुखी दृष्टि एवं नवीन ज्ञान के सृजन की आवश्यकताओं से परिचित कराना.

A.3 पाठ्यक्रम विशेषी अधिगम परिणाम (PSOs)

पाठ्यक्रम के पूर्ण होने पर विद्यार्थी निम्नांकित क्षमता अर्जित कर सकेंगे:

1. PSO 1 — विद्यार्थियों को साहित्य और विशेषकर हिन्दी साहित्य के सिद्धांतों, संप्रत्ययों तथा साहित्य की रचना एवं समीक्षा के क्षेत्र में नित नवीन होते वैचारिक परिप्रेक्ष्य का ज्ञान होगा।
2. PSO 2 — विद्यार्थी अपने अनुशासन तथा उसके एतर भी विचारगत जटिल समस्याओं के मूल्यांकन में अपनी विश्लेषण क्षमता तथा आलोचनात्मक चिन्तन का अनुप्रयोग कर सकेंगे।
3. PSO 3 विद्यार्थी समुचित पद्धतियों तथा युक्तियों के सहारे हिन्दी भाषा और साहित्य से संबंधित विशिष्ट शोध-परियोजनाओं को तैयार कर सकेंगे।
4. PSO 4 — विद्यार्थी सुविकसित अभिव्यक्ति-कौशल के सहारे शोध/अनुसंधान के निष्कर्षों, तर्क तथा प्रमेज्ञ को लिखित और वाचिक रूप से प्रस्तुति करने में सक्षम होंगे।
5. PSO 5 — विद्यार्थियों में अकादमिक ईमानदारी, पेशेवर नैतिकता तथा उत्तरदायित्वपूर्ण सामाजिक-भावना का विकास होगा।

B PART B — COURSE STRUCTURE (CBCS/NHEQF FRAMEWORK)

B.1 सत्रवार पाठ्यक्रम संरचना

निम्नलिखित तालिका चारों सेमेस्टरों की पूर्ण पाठ्यक्रम संरचना प्रस्तुत करती है। स्तंभ शीर्षक:L = **Lectures per week**; T = Tutorials per week; P = Practicals per week; CC = Core Course; DSE = Discipline Specific Elective; GE/OE = Generic/Open Elective; SEC = Skill Enhancement Course; PROJ = Project/Dissertation.

S.No.	Paper Code	Title of the Course/Paper	L	T	P	Credits	Max. Marks	Type
		SEMESTER I						
1	MAHND-CC101	Core Course I: हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	3	1	0	4	100	CC
2	MAHND-CC102	Core Course II: आरंभिक हिंदी कविता	3	1	0	4	100	CC
3	MAHND-CC103	Core Course III: मध्यकालीन हिंदी कविता	3	1	0	4	100	CC
4	MAHND-CC104	Core Course IV: हिंदी कहानी	3	1	0	4	100	CC

S.No.	Paper Code	Title of the Course/Paper	L	T	P	Credits	Max. Marks	Type
5	MAHND-GE105/GE106	Generic Elective I: (One course to be chosen from the basket I)	3	1	0	4	100	GE
6		VAC/AEC/SEC	2	0	0	2	100	VAC/AEC/SEC
		Total — Semester I	17	5	**0**	**22**	**600**	
				SEMESTER II				
1	MAHND-CC201	Core Course I: हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	3	1	0	4	100	CC
2	MAHND-CC202	Core Course II: आधुनिक हिंदी कविता-I	3	1	0	4	100	CC
3	MAHND-CC203	Core Course III: आधुनिक हिंदी कविता-II	3	1	0	4	100	CC
4	MAHND-CC204	Core Course IV: हिंदी उपन्यास	3	1	0	4	100	CC
5	MAHND-GE205/GE206	Generic Elective I: (One course to be chosen from the basket I)	3	1	0	4	100	GE
6		VAC/AEC/SEC	2	0	0	2	100	VAC/AEC/SEC
		Total — Semester II	**17**	**5**	**0**	**22**	**600**	

Particulars	Semester	Course Code	Course Title
Basket I	I	MAHND-GE105	पत्रकारिता, मीडिया एवं जनसंचार
		MAHND-GE106	प्रयोजनमूलक हिंदी
Basket II	II	MAHND-GE205	जनसंपर्क एवं विज्ञापन
		MAHND-GE206	अनुवाद कौशल

C PART C — COURSES OF STUDIES

C.1 पत्र परिचय-संकेत

PAPER PROFILE	
Paper Code	MAHND-CC101
Title of the Paper	Core Course I: हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)
Programme / Subject	MA- HINDI
Semester	Semester I
Nature of Course	Core Course (CC)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 अंक-वितरण

Component	Paper I	IA	Total (ESE+IA/ESE)
End Semester Examination	70	—	70
Internal Assessment	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**45 (45%)**

नोट: आंतरिक मूल्यांकन कक्षा में उपस्थिति, कक्षा जाँच-परीक्षा, संगोष्ठी, परियोजना और मौखिकी के आधार पर संपन्न होगा।

C.3 पत्र का उद्देश्य (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	इस पत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्येतिहास की अवधारणा, इतिहास-दृष्टियों, साहित्येतिहास लेखन की परंपरा एवं पुनर्लेखन की प्रवृत्तियों से परिचित कराना है।
COB 2	पाठ्यक्रम आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल की प्रमुख साहित्यिक धाराओं, युगीन विशेषताओं का सम्यक् ज्ञान प्रदान करेगा।
COB 3	इस काल के प्रतिनिधि रचनाकारों के साहित्यिक योगदान की जानकारी देगा।
COB 4	पाठ्यक्रम युगीन सांस्कृतिक परिस्थितियों का सम्यक बोध करायेगा।
COB 5	हिंदी साहित्य के इतिहास को मौजूदा परिप्रेक्ष्य में देखने की दृष्टि प्रदान करेगा।

C.4 पत्र अधिगम परिणाम (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	पाठ्यक्रम पूर्ण होने पर विद्यार्थी साहित्येतिहास की अवधारणा एवं विभिन्न इतिहास-दृष्टियों का विश्लेषण कर सकेंगे।
CLO 2	साहित्येतिहास लेखन की परंपरा का मूल्यांकन कर सकेंगे।
CLO 3	आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों, काव्यधाराओं एवं आलोचनात्मक अध्ययन और विवेचन करने में सक्षम होंगे।
CLO 4	रचनाकारों के साहित्यिक अवदान का विवेचन करने में सक्षम होंगे।

C.5 पाठ्यक्रम - इकाईवार विभाजन

पत्र का नाम : हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) MAHND-CC101		
इकाई	अंतर्वस्तु	अनुशंसित व्याख्यान अवधि
I	इतिहास दर्शन, साहित्येतिहास दर्शन, साहित्येतिहास लेखन की परंपरा, साहित्येतिहास का पुनर्लेखन	8–10
II	रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा एवं नलिन विलोचन शर्मा की इतिहास दृष्टि	12–15
III	आदिकाल: काल-विभाजन एवं नामकरण, परिवेश एवं युगीन प्रवृत्तियाँ, सिद्ध-नाथ, जैन एवं रासो साहित्य, संधिकाल के रचनाकार,	12–15
IV	भक्तिकाल: भक्ति आंदोलन के उदय के कारण, भक्ति का अखिल भारतीय स्वरूप, भक्ति का दार्शनिक पहलू, निर्गुण एवं सगुण भक्ति, प्रमुख रचनाकार: कबीर, रैदास, जायसी, तुलसीदास, सूरदास, मीरा, रसखान।	12–15
V	रीतिकाल: काल-विभाजन एवं नामकरण, पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ, रीतिसिद्ध, रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्याधाराएँ एवं कवि, प्रमुख रचनाकार : केशव, बिहारी, देव, मतिराम, घनानंद, आलम, बोधा, ठाकुर, भूषण, गिरिधर कविराय	12–15
	कुल अनुशंसित व्याख्यान	**60 (4 क्रेडिट के पत्र हेतु)**

C.6 आधार ग्रंथ:

1. रामचंद्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

4. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र : हिन्दी साहित्य का अतीत, दो भाग, दिल्ली
5. बच्चन सिंह : हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
7. डॉ० नगेंद्र व डॉ० हरदयाल (संपा०), हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पब्लिकेशन, दिल्ली

C.7 संदर्भ ग्रंथ:

1. ई एच कार, इतिहास क्या है, मैकमिलन पब्लिशर्स, नई दिल्ली
2. नलिन विलोचन शर्मा, साहित्य का इतिहास दर्शन, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली
3. आर जी कलिंगवुड, द आयडिया ऑफ़ हिस्ट्री, आक्स्फ़र्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली
4. सुमन राजे, हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
5. प्रेमशंकर : भक्तिकाव्य की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. शिवकुमार मिश्र, भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज,
7. शिवकुमार मिश्र : भक्तिकाव्य और लोकजीवन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,
8. गोविन्द त्रिगुणायत : कबीर की विचारधारा, साहित्य निकेतन, कानपुर
9. मैनेजर पाण्डेय : भक्ति आंदोलन और सूरदास, दिल्ली
10. मैनेजर पाण्डेय : साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. श्याम कश्यप, हिंदी सहित्येतिहास लेखन की समस्याएँ, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली

C.7 अनुशंसित ई-संसाधन

- www.hindisamay.com
- www.hindwi.org
- www.kavitakosh.org
- www.gadyakosh.org
- e-PG Pathshala: https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=Ou87QKvJCO+SE37bEZFbPA==

C.8 मूल्यांकन विन्यास एवं प्रश्न-पत्र की रूपरेखा

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (30 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the*

National Education Policy (NEP), 2020.
For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

C PART C — COURSES OF STUDIES

C.1 पत्र परिचय-संकेत

PAPER PROFILE	
Paper Code	MAHND-CC102
Title of the Paper	Core Course II: आरंभिक हिंदी कविता
Programme / Subject	MA- HINDI
Semester	Semester I
Nature of Course	Core Course (CC)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 अंक-वितरण

Component	Paper I	IA	Total (ESE+IA/ESE)
End Semester Examination	70	—	70
Internal Assessment	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**45 (45%)**

नोट: आंतरिक मूल्यांकन कक्षा में उपस्थिति, कक्षा जाँच-परीक्षा, संगोष्ठी, परियोजना और मौखिकी के आधार पर संपन्न होगा।

C.3 पत्र का उद्देश्य (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	इस पत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी के आदिकालीन साहित्य के वैभव और परंपरा-प्रसवनी धाराओं से परिचित कराना है।
COB 2	पत्र युगीन साहित्यिक विशेषताओं का सम्यक् ज्ञान प्रदान करेगा।
COB 3	इस काल के प्रतिनिधि रचनाकारों के साहित्यिक योगदान की जानकारी देगा।
COB 4	पत्र युगीन सांस्कृतिक परिस्थितियों का सम्यक बोध करायेगा।
COB 5	पत्र हिंदी के आरंभिक रूपों और उनके भौगोलिक विस्तार से विद्यार्थियों को अवगत करायेगा।

C.4 पत्र अधिगम परिणाम (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	पत्र का अध्ययन पूर्ण होने पर विद्यार्थी आरंभिक हिन्दी के वैभव और परंपरा-प्रसवनी धाराओं की पहचान कर सकेंगे।
CLO 2	हिंदी के आदिकालीन साहित्य के विवेचन विषयक मत-मतांतरों और हिंदी साहित्य के इतिहास-निर्माण विषयक विविध विवेचक दृष्टियों से अवगत होंगे।
CLO 3	तद्युगीन साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक यथार्थ का आलोचनात्मक अध्ययन और विवेचन करने में सक्षम होंगे।
CLO 4	रचनाकारों के साहित्यिक अवदान का विवेचन करने में सक्षम होंगे।

C.5 पाठ्यक्रम - इकाईवार विभाजन

पत्र का नाम : आरंभिक हिंदी कविता MAHND-CC102		
इकाई	अंतर्वस्तु	अनुशंसित व्याख्यान अवधि
I	**दोहा कोश (सरहपाद)** : महापंडित राहुल सांकृत्यायन (संपादक), बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना। • कवि परिचय • साहित्यिक एवं ऐतिहासिक महत्व • ब्राह्मण – दोहा संख्या 1, 2; चित्त – दोहा संख्या 24, 25; सहज, महासुख – दोहा संख्या 43, 44; परमपद – दोहा संख्या 49; देह ही तीर्थ – दोहा संख्या 96, 97	12—15
II	**संदेश रासक** : लेखक- अद्दहमाण,संपादनः हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं विश्वनाथ त्रिपाठी। • कवि परिचय • कथा-वस्तु एवं काव्य-सौन्दर्य छंद संख्या – क्रमागत रूप से प्रथम 10 छंद	12–15
III	**गोरखबानी** : डॉ. पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल (संपादक), आर्यवर्त संस्कृति संस्थान, दिल्ली। • कवि-परिचयः	08–10

	• साहित्यिक-ऐतिहासिक महत्व सबदी संख्या – 1, 4, 5, 6, 7, 8, 10, 11, 16, 19	
IV	**अमीर खुसरोः** रचनाकार : अमीर खुसरो,(संकलन एवं संपादनः भोलानाथ तिवारी) प्रकाशन : प्रभात प्रकाशन संस्करण : 1993 • कवि-परिचय • साहित्यिक-ऐतिहासिक महत्व **मिश्रित रचना--**जे हाले मिसकीं मकुन तगाफुल... **पहेलियां-** प्रथम 10 **गीतः** बहुत रही बाबुल घर दुलहिन, चल, तेरे पी ने बुलाई..	12–15
V	**विद्यापतिः** विद्यापति की पदावली : आचार्य श्रीरामलोचनशरण (संपादक), श्री रामवृक्ष बेनीपुरी (संकलयिता), पुस्तक भंडार, पटना • कवि-परिचय, साहित्यिक-ऐतिहासिक महत्व पद संख्या – 1, 2, 3, 4 • कीर्तिलता [बाबूराम सक्सेना द्वारा संपादित, नगरी प्रचारिणी सभा, काशी] द्वितीय पल्लव - नगर शोभा वर्णन (*पेप्खिअउ पट्टन चारु मेपल...* से लेकर *...किछु किनइते पावथि।* तक)	12–15
	कुल अनुशंसित व्याख्यान	**60 (4 क्रेडिट के पत्र हेतु)**

C.6 आधार ग्रंथ:

1. दोहा कोश (सरहपाद) : महापंडित राहुल सांकृत्यायन (संपादक), बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
2. संदेश रासक : लेखक- अद्दहमाण,संपादनः हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं विश्वनाथ त्रिपाठी।
3. गोरखबानी : डॉ. पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल (संपादक), आर्यवर्त संस्कृति संस्थान, दिल्ली।
4. अमीर खुसरोः रचनाकार : अमीर खुसरो,(संकलन एवं संपादनः भोलानाथ तिवारी) प्रकाशन : प्रभात प्रकाशन।
5. विद्यापतिः विद्यापति की पदावली : आचार्य श्रीरामलोचनशरण (संपादक), श्री रामवृक्ष बेनीपुरी (संकलयिता), पुस्तक भंडार, पटना।
6. बाबूराम सक्सेना (संपा), कीर्तिलता, नगरी प्रचारिणी सभा, काशी

C.7 संदर्भ ग्रंथ:

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी: हिंदी साहित्य का आदिकाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. सुधा सिंह: हिंदी इतिहास का वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य, हंस प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र: हिन्दी साहित्य का अतीत, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी
4. राहुल सांकृत्यायन: हिंदी काव्य-धारा :प्रकाशन, प्रकाशक: किताब महल, इलाहाबाद

- www.hindwi.org
- www.kavitakosh.org
- www.gadyakosh.org
- e-PG Pathshala: https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=Ou87QKvJCO+SE37bEZFbPA==

C.8 मूल्यांकन विन्यास एवं प्रश्न-पत्र की रूपरेखा

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (30 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

C PART C — COURSES OF STUDIES

C.1 पत्र परिचय-संकेत

PAPER PROFILE	
Paper Code	MAHND-CC103
Title of the Paper	Core Course III: मध्यकालीन हिंदी कविता
Programme / Subject	MA- HINDI
Semester	Semester I
Nature of Course	Core Course (CC)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 अंक-वितरण

Component	Paper I	IA	Total (ESE+IA/ESE)
End Semester Examination	70	—	70
Internal Assessment	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**45 (45%)**

नोट: आंतरिक मूल्यांकन कक्षा में उपस्थिति, कक्षा जाँच-परीक्षा, संगोष्ठी, परियोजना और मौखिकी के आधार पर संपन्न होगा।

C.3 पत्र का उद्देश्य (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	इस पत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी की भक्तिकालीन कविताओं के वैविध्य से परिचित करना है।
COB 2	पत्र इस काल के प्रतिनिधि रचनाकारों के साहित्यिक योगदान की जानकारी देगा।
COB 3	पत्र युगीन सांस्कृतिक परिस्थितियों का सम्यक् बोध करायेगा।
COB 4	पत्र हिंदी भाषा के वैभव और उसकी भौगोलिक विविधता का बोध करायेगा।
COB 5	पत्र भक्तिकालीन सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के आलोक में मौजूदा परिप्रेक्ष्य को समझने की दृष्टि प्रदान करेगा।

C.4 पत्र अधिगम परिणाम (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	पाठ्यक्रम पूर्ण होने पर विद्यार्थी भक्तिकालीन एवं रीतिकालीन साहित्य की विविधता का विश्लेषण कर सकेंगे।
CLO 2	विद्यार्थी भक्तिकालीन एवं रीतिकालीन साहित्य की अंतर्वस्तु का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे।
CLO 3	हिन्दी-पट्टी के सांस्कृतिक-मानस के निर्माण में भक्तिकालीन एवं रीतिकालीन साहित्य की भूमिका की परख कर सकेंगे ।
CLO 4	विद्यार्थी पत्र का अध्ययन पूर्ण होने पर रचनाकारों के साहित्यिक अवदान का विवेचन करने में सक्षम होंगे।

C.5 पाठ्यक्रम - इकाईवार विभाजन

पत्र का नाम : मध्यकालीन हिंदी कविता MAHND-CC103		
इकाई	अंतर्वस्तु	अनुशंसित व्याख्यान अवधि
I	• **कबीरदास** : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली। पद संख्या – 5, 22, 35, 42, 43; साखी – 199, 200, 201 • **मलिक मुहम्मद जायसी** : श्री वासुदेवशरण अग्रवाल (संपादक), लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज। नागमती वियोग खंड – 341 से 350 तक	12–15
II	• **तुलसीदास** : रामचरितमानस, गीता प्रेस, गोरखपुर। अयोध्याकांड – दोहा संख्या 1 से 10 तक (चौपाइयों सहित) • **सूरदास** : सूरसागर सार, डॉ. धीरेंद्र वर्मा (संपादक), साहित्य भवन प्रकाशन लिमिटेड, प्रयागराज। विनय और भक्ति के पद – 1, 2, 3, 9, 12, 14, 16, 18, 23, 25	12–15
III	**मीराबाईः** मीरांबाई की पदावली(संपादक-परशुराम चतुर्वेदी), हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग. 1.आली म्हाणे लागे वृंदावन नीको.., 2.आली नैणां बाण पड़ी.., 3.कोई कहियो रे प्रभु आवन.., 4. चलो अगम के देस..	8–10

	5. जोगिया से प्रीत किया दुख होई... 6. थें तो पलक उघाड़ो दीनानाथ...	
IV	• **भूषण** : भूषण ग्रंथावली, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (प्रधान संपादक), साहित्य सेवक कार्यालय, काशी। शिवाबावनी : छंद संख्या : 1 से 15 तक। • **देव** : रीतिकाव्य-संग्रह, डॉ. जगदीश गुप्त, साहित्य भवन प्रकाशन लिमिटेड, प्रयागराज। पद संख्या – 5, 9, 14, 33, 43	12–15
V	• **घनानंद** : घनानंद-कवित्त(भाष्येंदुशेखर), भूमिका-लेखक-आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, भाष्यकार-आचार्य चंद्रशेखर मिश्र शास्त्री, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी । -- प्रथम 8 छंद • **बिहारी** : बिहारी रत्नाकर, श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर', जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। दोहा संख्या – 1, 4, 8, 10, 11, 12, 15, 22, 27, 28, 34, 35, 37, 38, 41, 43, 85, 131, 171, 217 (कुल 20)	12–15
	कुल अनुशंसित व्याख्यान	**60 (4 क्रेडिट के पत्र हेतु)**

C.6 आधार ग्रंथ:

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी: कबीर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. तुलसीदास : रामचरितमानस, गीता प्रेस, गोरखपुर।
3. परशुराम चतुर्वेदी (संपा.) मीरांबाई की पदावली हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
4. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (संपा.) भूषण ग्रंथावली, साहित्य सेवक कार्यालय, काशी।
5. श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर' (संपा.), बिहारी रत्नाकर, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

C.7 संदर्भ ग्रंथ:

5. हजारी प्रसाद द्विवेदी-- कबीर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. रामचंद्र शुक्ल--त्रिवेणी, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली।
7. सुधा सिंह-हिंदी इतिहास का वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य, हंस प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8. मैनेजर पांडेय- भक्ति आंदोलन और सूर का काव्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. बच्चन सिंह--बिहारी का नया मूल्यांकन, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
10. उदयभानु सिंह-- तुलसी-काव्य-मीमांसा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
11. डॉ. नगेंद्र--रीतिकाव्य की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

12. पुरूषोतम अग्रवाल- अकथ कहानी प्रेम की: कबीर की कविता और उनका समय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
13. अनिल राय-- भक्ति संवेदना और मानव मूल्य, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली।
14. माधव हाड़ा- पचरंग चोला पहर सखी री(मीरां का जीवन और समाज), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
15. सीताराम दीन- कबीर के दर्शन और काव्य के स्रोत, सर्वभाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली।

C.7 अनुशंसित ई-संसाधन

- www.hindisamay.com
- www.hindwi.org
- www.kavitakosh.org
- www.gadyakosh.org
- e-PG Pathshala: https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=Ou87QKvJCO+SE37bEZFbPA==

C.8 मूल्यांकन विन्यास एवं प्रश्न-पत्र की रूपरेखा

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (30 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

C PART C — COURSES OF STUDIES

C.1 पत्र परिचय-संकेत

PAPER PROFILE	
Paper Code	MAHND-CC104
Title of the Paper	Core Course IV: हिंदी कहानी
Programme / Subject	MA- HINDI
Semester	Semester I
Nature of Course	Core Course (CC)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 अंक-वितरण

Component	Paper I	IA	Total (ESE+IA/ESE)
End Semester Examination	70	—	70
Internal Assessment	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**45 (45%)**

नोट: आंतरिक मूल्यांकन कक्षा में उपस्थिति, कक्षा जाँच-परीक्षा, संगोष्ठी, परियोजना और मौखिकी के आधार पर संपन्न होगा।

C.3 पत्र का उद्देश्य (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	इस पत्र का उद्देश्य हिंदी कहानी के उद्भव, विकास एवं प्रमुख प्रवृत्तियों से विद्यार्थियों को परिचित कराना है।
COB 2	यह विभिन्न कालखंडों के प्रतिनिधि कहानीकारों और उनकी कहानियों से परिचित कराएगा।
COB 3	इस काल के प्रतिनिधि रचनाकारों के साहित्यिक योगदान की जानकारी देगा।
COB 4	यह पत्र युगीन सांस्कृतिक परिस्थितियों का सम्यक बोध करायेगा।
COB 5	कहानियों के अध्ययन के माध्यम से साहित्यिक संवेदना, आलोचनात्मक दृष्टि, सामाजिक चेतना तथा कथाशिल्प की समझ विकसित करेगा।

C.4 पत्र अधिगम परिणाम (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	पाठ्यक्रम पूर्ण होने पर विद्यार्थी हिंदी कहानी के विकासक्रम एवं प्रमुख प्रवृत्तियों का विश्लेषण कर सकेंगे।
CLO 2	विद्यार्थी रचनाकारों के साहित्यिक अवदान का विवेचन करने में सक्षम होंगे।
CLO 3	विद्यार्थी चयनित कहानियों के कथ्य, शिल्प, भाषा, चरित्र-चित्रण तथा सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों की आलोचनात्मक व्याख्या करने में सक्षम होंगे।
CLO 4	विद्यार्थी साहित्यिक मूल्यांकन और स्वतंत्र चिंतन की क्षमता विकसित कर सकेंगे।

C.5 पाठ्यक्रम - इकाईवार विभाजन

पत्र का नाम : हिंदी कहानी MAHND-CC104		
इकाई	अंतर्वस्तु	अनुशंसित व्याख्यान अवधि
I	हिंदी कहानी का उद्भव और विकास, हिंदी कहानी की प्रमुख प्रवृत्तियाँ	8–10
II	कहानीकारों एवं उनकी कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन : जयशंकर प्रसाद - गुंडा, प्रेमचंद - बूढ़ी काकी, जैनेंद्र - तत्सत्, फणीश्वरनाथ रेणु - रसप्रिया	12–15
III	कहानीकारों एवं उनकी कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन : निर्मल वर्मा - लंदन की एक रात, मोहन राकेश : मिस पाल, मन्नू भंडारी - त्रिशंकु, राजेंद्र यादव - जहाँ लक्ष्मी क़ैद है	12–15
IV	कहानीकारों एवं उनकी कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन : ज्ञानरंजन - घंटा, शेखर जोशी - बदबू, नर्मदेश्वर - कंघी, चंद्रकिशोर जायसवाल - मर गया दीपनाथ	12–15
V	कहानीकारों एवं उनकी कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन : शिवमूर्ति - सिरी उपमा जोग, ओमप्रकाश वाल्मीकि - सलाम, सुशीला टाकभौरे - सिलिया, उदय प्रकाश - छप्पन तोले का करधन	12–15
	कुल अनुशंसित व्याख्यान	**60 (4 क्रेडिट के पत्र हेतु)**

C.6 आधार ग्रंथ:

1. जैनेंद्र(संपा.), तेईस हिंदी कहानियाँ (साहित्य अकादेमी की ओर से), लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
2. भीष्म साहनी (संपा.), हिंदी कहानी संग्रह, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
3. राजेंद्र यादव (संपा.), एक दुनिया: समानांतर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

4. प्रेमचंद, मानसरोवर खंड -8, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
5. फणीश्वरनाथ रेणु, प्रतिनिधि कहानियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. निर्मल वर्मा, जलती झाड़ी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. मोहन राकेश, प्रतिनिधि कहानियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. शिवमूर्ति, प्रतिनिधि कहानियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. नर्मदेश्वर, नील का दाग, अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली
10. चंद्रकिशोर जायसवाल, मर गया दीपनाथ, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
11. शिवमूर्ति, केशर कस्तूरी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
12. ओमप्रकाश वाल्मीकि, सलाम, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
13. रमणिका गुप्ता (संपा), दलित कहानी संचयन, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
14. उदय प्रकाश, अरेबा परेबा, यात्रा बुक्स, नई दिल्ली

C.7 संदर्भ ग्रंथ:

1. जैनेन्द्र कुमार, कहानी : अनुभव और शिल्प, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली
2. नामवर सिंह, कहानी : नई कहानी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. राजेन्द्र यादव : नई कहानी : संवेदना और स्वरूप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
4. धनंजय (सं.), समकालीन कहानी : दिशा और दृष्टि, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
5. मधुरेश : हिन्दी कहानी का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. मार्कण्डेय : कहानी की बात, लोक भारती, इलाहाबाद
7. डॉ० देवेश ठाकुर, हिन्दी की पहली कहानी, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ
8. जैनेन्द्र कुमार, कहानी : अनुभव और शिल्प, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली
9. देवीशंकर अवस्थी (सं.), नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, राजकमल, दिल्ली
10. सुरेन्द्र चौधरी, हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
11. विजय मोहन सिंह, आज की हिन्दी कहानी, राजधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
12. मधुरेश, नयी कहानी : पुनर्विचार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
13. डॉ. बलराज पाण्डे : नई कहानी आंदोलन की भूमिका, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद
14. मधुरेश : हिन्दी कहानी : अस्मिता की तलाश, आधार प्रकाशन, पंचकूला
15. कमलेश्वर : नई कहानी की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पत्रिकाएं:

1. वर्तमान साहित्य, शताब्दी कथा विशेषांक, जनवरी–फरवरी, 2000 (यतेन्द्र सागर, प्रथम तल, 1–2, मुकुन्द नगर, हापुड़ रोड, गाजियाबाद 201001)
2. पहल , (कहानी पर केंद्रित खास अंक) 27–28 सितम्बर, 1985 सं० ज्ञानरंजन, 101, रामनगर, आधारताल, जबलपुर – 482004

C.7 अनुशंसित ई-संसाधन

- www.hindisamay.com
- www.hindwi.org
- www.kavitakosh.org

- www.gadyakosh.org
- e-PG Pathshala: https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=Ou87QKvJCO+SE37bEZFbPA==

C.8 मूल्यांकन विन्यास एवं प्रश्न-पत्र की रूपरेखा

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (30 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

C PART C — COURSES OF STUDIES

C.1 पत्र परिचय-संकेत

PAPER PROFILE	
Paper Code	MAHND-GE105
Title of the Paper	GENERAL ELECTIVE-I: पत्रकारिता, मीडिया एवं जनसंचार
Programme / Subject	MA- HINDI
Semester	Semester I
Nature of Course	General Elective (GE)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 अंक-वितरण

Component	Paper I	IA	Total (ESE+IA/ESE)
End Semester Examination	70	—	70
Internal Assessment	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**45 (45%)**

नोट: आंतरिक मूल्यांकन कक्षा में उपस्थिति, कक्षा जाँच-परीक्षा, संगोष्ठी, परियोजना और मौखिकी के आधार पर संपन्न होगा।

C.3 पत्र का उद्देश्य (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	संचार/जनसंचार की अवधारणा, उसकी प्रक्रिया और सिद्धांतों से अवगत कराना।
COB 2	भारत में विभिन्न जनसंचार-माध्यमों के ऐतिहासिक विकास का परिचय देना।
COB 3	संचार में भाषा की भूमिका और उसके महत्व को रेखांकित करना।
COB 4	मीडिया में प्रचलित विशिष्ट शब्दावलियों से अवगत कराना.
COB 5	पत्रकारिता के विविध रूपों का परिचय कराना और पत्रकारीय-कर्म के आधार-स्तंभ रिपोर्टिंग तथा संपादन से संबंधित मूलभूत जानकारियों से अवगत कराना

C.4 पत्र अधिगम परिणाम (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	जनसंचार जनसंचार की व्यापक धारणा से परिचित होंगे और समाचार, संपादकीय, मत-अभिमत, विज्ञापन तथा जन-संपर्क के बीच के अन्तर करना सीखेंगे।
CLO 2	जन-संचार की भाषा और साहित्य की भाषा, प्रतीक, चिन्ह आदि में अन्तर करना सीख सकेंगे।
CLO 3	जनसंचार-माध्यमों के अनुकूल लेखन की आवश्यकता से परिचित होंगे।
CLO 4	विद्यार्थियों को रिपोर्टिंग तथा संपादन-कला की बुनियादी जानकारी होगी। भारत में जन-माध्यमों के ऐतिहासिक विकास को भारत की सामाजिक-राजनीतिक जरूरतों से जोड़कर देखने में सक्षम होंगे।

C.5 पाठ्यक्रम - इकाईवार विभाजन

पत्र का नाम : पत्रकारिता, मीडिया एवं जनसंचार MAHND-GE105		
इकाई	अंतर्वस्तु	अनुशंसित व्याख्यान अवधि
I	**संचार की अवधारणा और प्रक्रिया** • संचार : अवधारणा और प्रक्रिया, संचार के तत्व, कार्य और सामाजिक भूमिका। • संचार के प्रकार : अन्तर्वैयक्तिक, समूह संचार और जनसंचार (परिभाषा,विशेषताएँ, कार्य और सामाजिक भूमिका)। • शाब्दिक और मौखिक संचार, संचार में अवरोध, दैहिक संकेतों एवं अन्य संकेतकों/चिन्हों/प्रतीकों का महत्व।	12–15
II	**भाषा और जनसंचार** • भाषा के विकास में चिह्न, प्रतीक और लिपिः उद्‌भव, विकास, प्रसार और मानकीकरण. • समाज में भाषा का महत्व- राष्ट्र-निर्माण में भाषा की भूमिका • जनसंचार में भाषा की भूमिका • मीडिया साक्षरताः अवधारणा, भूमिका, महत्व और भारतीय संदर्भों में प्रासंगिकता • मीडिया साक्षरता- तकनीक और उसके उपकरण	12–15
III	**जनसंचार के माध्यम** • जनसंचार के आधुनिकता-पूर्व माध्यम और जन-संचार के आधुनिक माध्यम • जन-संचार के माध्यम के रूप में मुद्रण की तकनीक की विशेषता,	08–10

	भारत में मुद्रण की तकनीक का विकास • जन-संचार के माध्यम के रूप में रेडियो की विशेषता, भारत में रेडियो का विकास • जन-संचार के माध्यम के रूप में टीवी की विशेषता, भारत में टीवी का विकास • जन-संचार के माध्यम के रूप में फिल्म की विशेषता, भारत में फिल्मों का विकास • मल्टीमीडिया माध्यम की विशेषता, भारत में मल्टीमीडिया माध्यम का विकास.	
IV	**जनसंचार माध्यमों में संवाद का विविध रूप** • विज्ञापन, • जन-संपर्क, • समाचार और उसके विविध प्रकार • विचार/मत-अभिमत • संपादकीय • मीडिया के विभिन्न विभाग- सम्पादन विभाग, विपणन और प्रबन्धन विभाग।	12–15
V	**मीडिया की विशिष्ट शब्दावली तथा हिन्दी के प्रमुख पत्रकार** • ऑप-ऐड, बीट, क्लोजअप, ब्यूरो, कैप्शन, कवर स्टोरी, इंट्रो, रिलीज, इनसाइड स्टोरी, फोलोअप, लीड, एंकर शॉट, ब्रेकिंग, वर्चुअल रियल्टी न्यूज,पीटीसी,वीओ,सोत(साऊंड ऑन टेप), वीओ-सोत(vo-sot), पैकेज, फैक्ट-चेकिंग, डीप-फेक. पेड-न्यूज, फेक न्यूज, एडवर्टोरियल, एग्युमेंटेट रियल्टी । • हिन्दी के प्रमुख पत्रकार- भारतेन्दु, मदन मोहन मालवीय, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, गणेशशंकर विद्यार्थी, प्रेमचंद, शिवपूजन सहाय, रामवृक्ष बेनीपुरी, माखनलाल चतुर्वेदी, बनारसी दास चतुर्वेदी, अज्ञेय, धर्मवीर भारती, राजेन्द्र माथुर, बाबूराम विष्णु पराड़कर,प्रभाष जोशी(पत्रकारीय कर्म का संक्षिप्त परिचय)	12–15
	कुल अनुशंसित व्याख्यान	**60 (4 क्रेडिट के पत्र हेतु)**

C.6 आधार ग्रंथ:

1. प्रो० ओम प्रकाश सिंह- संचार के मूल सिद्धांत, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. राधेश्याम शर्मा(संपा.)- जनसंचार, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
3. आर्मंड मैतलार्त, मिशेल मैतलार- संचार के सिद्धांत, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली।

C.7 संदर्भ ग्रंथ:

1.अर्जुन तिवारी- हिन्दी पत्रकारिता का वृहत इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

2. श्याम कश्यप, मुकेश कुमार- टेलीविजन की कहानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3. अजय कुमार सिंह- सिर्फ पत्रकारिता, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

4. अजय कुमार सिंह- इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता,, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

5. डॉ० सतीश कुमार राय- हिन्दी पत्रकारिता के प्रतिमान, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

6. कौशल शर्मा- रेडियो प्रसारण, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली

7. सूर्यकुमार दीक्षित- संचार भाषा हिन्दी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

8. डॉ० निशान्त सिंह-- पत्रकारिता हेतु लेखन– अर्चना पब्लिकेशन, दिल्ली

9. मुकेश मानस-- मीडिया लेखन– सिद्धांत और प्रयोग, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली

10.जवरीमल्ल पारख-जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य, ग्रंथशिल्पी, नई दिल्ली

11.जगदीश्वर चतुर्वेदी--जनमाध्यम और मास कल्चर, सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली

12.रामस्वरूप चतुर्वेदी--भाषा और संवेदना, लोकभारती, इलाहाबाद

13.जवरीमल्ल पारख- जन संचार माध्यम और सांस्कृतिक विमर्श, ग्रंथ शिल्पी.

14. प्रो. सुभाष धूलिया-- सूचना क्रांति की राजनीति व विचारधारा, ग्रंथशिल्पी, नई दिल्ली

15.केवल जे कुमार- भारत में जनसंचार, जैको पब्लिशिंग हाउस, मुंबई

16.उदय नारायण तिवारी-हिंदी भाषा का उद्गम और विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

17. पद्मसिंह शर्मा-- हिंदी, उर्दू और हिन्दुस्तानी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

C.7 अनुशंसित ई-संसाधन

- www.hindisamay.com
- www.hindwi.org
- www.kavitakosh.org
- www.gadyakosh.org
- e-PG Pathshala:
  https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=Ou87QKvJCO+SE37bEZFbPA==

C.8 मूल्यांकन विन्यास एवं प्रश्न-पत्र की रूपरेखा

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (30 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

C PART C — COURSES OF STUDIES

C.1 पत्र परिचय-संकेत

PAPER PROFILE	
Paper Code	MAHND-GE106
Title of the Paper	General Elective II: प्रयोजनमूलक हिंदी
Programme / Subject	MA- HINDI
Semester	Semester I
Nature of Course	General Elective Course (GE)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 अंक-वितरण

Component	Paper I	IA	Total (ESE+IA/ESE)
End Semester Examination	70	—	70
Internal Assessment	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**45 (45%)**

नोट: आंतरिक मूल्यांकन कक्षा में उपस्थिति, कक्षा जॉच-परीक्षा, संगोष्ठी, परियोजना और मौखिकी के आधार पर संपन्न होगा।

C.3 पत्र का उद्देश्य (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	विद्यार्थियों को राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति, प्रशासनिक उपयोग तथा कार्यालयी कार्यों में हिन्दी के प्रभावी प्रयोग से परिचित कराना।
COB 2	हिन्दी कम्प्यूटिंग, यूनिकोड, टाइपिंग, ई-मेल, चैटबॉट, मशीन अनुवाद एवं अन्य डिजिटल उपकरणों के व्यावहारिक उपयोग का कौशल विकसित करना।
COB 3	हिन्दी में डिजिटल सामग्री निर्माण, ब्लॉग लेखन तथा इंटरनेट आधारित संसाधनों के प्रभावी उपयोग की क्षमता का विकास करना।
COB 4	सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों पर प्रभावी हिन्दी संप्रेषण, रचनात्मक सामग्री निर्माण तथा व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक ब्रांड निर्माण का प्रशिक्षण प्रदान करना।
COB 5	साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, कॉपीराइट, स्रोतों की विश्वसनीयता तथा साइबर कानूनों के प्रति जागरूक और उत्तरदायी डिजिटल नागरिक तैयार करना।

C.4 पत्र अधिगम परिणाम (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	विद्यार्थी राजभाषा हिन्दी के प्रशासनिक एवं कार्यालयी प्रयोगों, प्रारूपण, पत्रलेखन तथा पारिभाषिक शब्दावली के उपयोग में दक्षता प्राप्त करेंगे।
CLO 2	विद्यार्थी हिन्दी कम्प्यूटिंग, यूनिकोड, टाइपिंग, मशीन अनुवाद, चैटबॉट तथा अन्य डिजिटल उपकरणों का प्रभावी उपयोग कर सकेंगे।
CLO 3	विद्यार्थी सोशल मीडिया के लिए प्रभावशाली हिन्दी सामग्री, ब्लॉग, पोस्ट, वीडियो स्क्रिप्ट, रील एवं अन्य डिजिटल संसाधनों का सृजन करने में सक्षम होंगे।
CLO 4	विद्यार्थी साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, कॉपीराइट तथा डिजिटल नैतिकता के प्रति जागरूक होकर जिम्मेदार डिजिटल नागरिक के रूप में कार्य कर सकेंगे।

C.5 पाठ्यक्रम - इकाईवार विभाजन

पत्र का नाम : प्रयोजनमूलक हिंदी MAHND-GE106		
इकाई	अंतर्वस्तु	अनुशंसित व्याख्यान अवधि
I	**राजभाषा हिन्दी:** राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति; राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य- प्रारूपण, पत्रलेखन, टिप्पणी, संक्षेपण तथा पल्लवन; पारिभाषिक शब्दावली- स्वरूप और महत्व; निर्माण के सिद्धांत; पारिभाषिक शब्दावलियों की जानकारी।	12–15
II	**हिन्दी कम्प्यूटिंग:** यूनिकोड का परिचय; हिंदी यूनिकोड टाइपिंग; हिंदी के विभिन्न फोंट्स की जानकारी; हिंदी इनपुट टूल्स का उपयोग; वॉइस टाइपिंग; ई-मेल भेजना।	8–10
III	**हिन्दी कम्प्यूटिंग:** हिंदी चैटबॉट; मशीन अनुवाद; वर्तनी एवं व्याकरण जाँच; हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल; ब्लॉग निर्माण।	12–15
IV	**सोशल मीडिया**: सोशल मीडिया की अवधारणा; प्रमुख प्लेटफॉर्मों का परिचय; प्रोफाइल निर्माण, प्रभावी हिंदी पोस्ट लिखना; हैशटैग, टैगिंग एवं कैप्शन लेखन; फोटो, वीडियो और इन्फोग्राफिक निर्माण; वीडियो स्क्रिप्ट लेखन; हिंदी में रील/शॉर्ट वीडियो, मीम बनाना; व्यक्तिगत ब्रांड निर्माण, शैक्षणिक एवं व्यावसायिक उपयोग।	12–15
V	**सोशल मीडिया**: कॉपीराइट की जानकारी; साइबर बुलिंग संबंधी जागरूकता; ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, डेटा गोपनीयता; स्रोतों की विश्वसनीयता का मूल्यांकन; साइबर कानूनों का सामान्य परिचय।	12–15

	कुल अनुशंसित व्याख्यान	**60 (4 क्रेडिट के पत्र हेतु)**

C.6 आधार ग्रंथ:

1. विनोद गोदरे, प्रयोजन मूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. कैलाशनाथ पाण्डेय, प्रयोजन मूलक हिन्दी की नयी भूमिका, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
3. द्विवेदी, संजय (संपादक) : *सोशल नेटवर्किंग: नए समय का संवाद*, यश पब्लिकेशन, दिल्ली।
4. विजय कुमार मल्होत्रा : *कंप्यूटर के भौतिक अनुप्रयोग*, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

C.7 संदर्भ ग्रंथ:

1. डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह: प्रयोजन मूलक हिन्दी और पत्रकारिता –वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. डॉ. माधव सोनटक्के: प्रयोजन मूलक हिन्दी –लोकभारती प्रकाशन
3. प्रो. रमेश जैन: प्रयोजन मूलक हिन्दी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
4. अवधेश मोहन गुप्त: राजभाषा सहायिका प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
5. हरिमोहन : *कंप्यूटर और हिंदी*, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
6. हरिमोहन : *आधुनिक जनसंचार और हिंदी*, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
7. संतोष गोयल : *हिंदी भाषा और कंप्यूटर*, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
8. पीके शर्मा : *कंप्यूटर के डाटा प्रस्तुतीकरण और भाषा सिद्धांत*, डायनेमिक पब्लिकेशन, दिल्ली।
9. सोशल मीडिया हैकिंग : अंडरस्टैंड द रिस्क (हिंदी में), कोड अकादमी

C.7 अनुशंसित ई-संसाधन

- https://chti.rajbhasha.gov.in/pdf/Chap4-HindiShabadSansadhan2ndEditionPart2.pdf
- https://onlinecourses.swayam2.ac.in/e-learning/preview/imb25_mg207
- https://swayam-plus.swayam2.ac.in/courses/course-details?id=P_LP_001_02

C.8 मूल्यांकन विन्यास एवं प्रश्न-पत्र की रूपरेखा

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (30 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students*

of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

C PART C — COURSES OF STUDIES

C.1 पत्र परिचय-संकेत

PAPER PROFILE	
Paper Code	MAHND-CC201
Title of the Paper	Core Course I: हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
Programme / Subject	MA- HINDI
Semester	Semester II
Nature of Course	Core Course (CC)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 अंक-वितरण

Component	Paper I	IA	Total (ESE+IA/ESE)
End Semester Examination	70	—	70
Internal Assessment	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**45 (45%)**

नोट: आंतरिक मूल्यांकन कक्षा में उपस्थिति, कक्षा जाँच-परीक्षा, संगोष्ठी, परियोजना और मौखिकी के आधार पर संपन्न होगा।

C.3 पत्र का उद्देश्य (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का पत्र पढ़ने का मुख्य उद्देश्य छात्रों को साहित्य में परिलक्षित भारतीय नवजागरण और स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों से अवगत कराना है।।
COB 2	पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी आधुनिक-काल के बदलते सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश और भाषा तथा साहित्य से उसके संबंध से अवगत होंगे। ।
COB 3	विद्यार्थी विभिन्न साहित्यिक वाद तथा उनके प्रमुख सांस्कृतिक सरोकारों की समझ बना पायेंगे और आलोचनात्मक मूल्यांकन में सक्षम होंगे।।
COB 4	आधुनिक काल के प्रमुख हिंदी साहित्यकारों के साहित्य अवदान से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे।
COB 5	विद्यार्थी साहित्य में आधुनिकता के मूल्यों और भारतीय आधुनिकता की विशिष्टताओं की पहचान में सक्षम होंगे।

C.4 पत्र अधिगम परिणाम (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	विद्यार्थियों में साहित्यिक चेतना और आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास होगा ।
CLO 2	आधुनिक गद्य-पद्य की विविध विधाओं की समझ विकसित होगी।
CLO 3	विद्यार्थी स्वतंत्रता-संग्राम के दायरे में विकसित साहित्य से तत्कालीन राष्ट्र-चिंता के रिश्ते को समझेंगे।
CLO 4	विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के आधुनिक रूप लेने में संस्थाओं और उनके निर्माताओं की भूमिका से परिचित होंगे तथा हिन्दी क्षेत्र में विकसित सांस्कृतिक-सामाजिक आलोचना के प्रमुख सरोकारों को समझ सकेंगे।

C.5 पाठ्यक्रम - इकाईवार विभाजन

पत्र का नाम : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) MAHND-CC201		
इकाई	अंतर्वस्तु	अनुशंसित व्याख्यान अवधि
I	आधुनिकता का अर्थ एवं परिभाषा, हिन्दी भाषा और साहित्य में आधुनिक प्रवृत्तियों के उद्भव की पृष्ठभूमि, फोर्ट विलियम कॉलेज और ईस्ट इंडिया की भाषा नीति,सन् 1857 की क्रांति और हिन्दी प्रदेश का नवजागरण, हिन्दी जाति की अवधारणा, भारतेन्दु हरिश्चंद्र और उनका मंडल, अन्य महत्त्वपूर्ण लेखक, भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ तथा पत्र-पत्रिकाएं.	12–15
II	आधुनिक हिन्दी साहित्य के विकास में संस्थाओं की भूमिका, महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, सरस्वती पत्रिका और हिन्दी नवजागरण, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा. राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी पर उसका प्रभाव, हिन्दी में स्वच्छंतावादी प्रवृत्ति का उदय, विकास और छायावाद.	12–15
III	प्रगतिशील आंदोलन और हिन्दी साहित्य, प्रगतिशील साहित्य की विशेषताएँ, प्रयोगवादी साहित्य की प्रमुख मान्यताएं एवं विशेषताएं.देश-विभाजन और हिन्दी साहित्य, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य, नई कविता आंदोलन और इसके प्रमुख कवि, नई कहानी आंदोलन और इसके प्रमुख कहानीकार.	12–15
IV	आंचलिक उपन्यास और उपन्यासकार, नाटक और रंगमंच के क्षेत्र में नए प्रयोग, हिन्दी आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचक, हिन्दी में आधुनिक गद्य विधाओं का उदय एवं विकासः आलोचना, निबंध, नाटक,	12–15

	उपन्यास, कहानी, आत्मकथा, जीवनी, यात्रा-वृत्तांत, संस्मरण.	
V	समकालीन हिन्दी साहित्यः कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक आदि में नई प्रवृत्तियों का उदय, साहित्यिक पत्रकारिता और लघु पत्रिका आंदोलन, हिन्दी साहित्य में अस्मितामूलक लेखन (स्त्री-विमर्श, दलित-विमर्श, किन्नर-विमर्श, पर्यावरण-विमर्श, वृद्ध-विमर्श के विशेष संदर्भ में), हिन्दी में प्रवासी साहित्य.	08–10
	कुल अनुशंसित व्याख्यान	**60 (4 क्रेडिट के पत्र हेतु)**

C.6 आधार ग्रंथ:

1. रामचन्द्र शुक्ल- हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी.
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी- हिन्दी साहित्य उसका उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र- हिन्दी साहित्य का अतीत (दो खंड), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. विश्वनाथ त्रिपाठी- हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, एन.सी.ई.आर.टी., दिल्ली
5. रामस्वरूप चतुर्वेदीः हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती, इलाहाबाद
6. बच्चन सिंह, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

C.7 संदर्भ ग्रंथ:

1. डॉ. रामविलास शर्मा- महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. रामविलास शर्माः भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. मैनेजर पाण्डेय- साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशन , नईदिल्ली
4. नंददुलारे वाजपेयी-- हिन्दी साहित्यः बीसवीं शताब्दी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग.
5. नामवर सिंह- कविता के नये प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. नामवर सिंह- छायावाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.देवीशंकर अवस्थीः विवके के रंग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. ओमप्रकाश वाल्मीकिः दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2001
8. राजेन्द्र यादव/अर्चना वर्मा(सं०)- अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली.
9. महादेवी वर्मा श्रखला की कडियाः भारती भण्डार, इलाहाबाद
10. शुभनीत कौशिक–भाषा की राजनीति, ज्ञान की परंपराःहिन्दी साहित्य सम्मेलन और हिन्दी लोकवृत्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. डॉ. सुमन राजे- हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली.
12. फ्रांचेस्का ऑर्सीनी– हिन्दी का लोकवृत्त(1920-1940),(अनुवाद- नीलाभ)–वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. रामचंद्र तिवारी- हिन्दी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन

C.7 अनुशंसित ई-संसाधन

- www.hindisamay.com
- www.hindwi.org
- www.kavitakosh.org
- www.gadyakosh.org

- e-PG Pathshala: https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=Ou87QKvJCO+SE37bEZFbPA==

C.8 मूल्यांकन विन्यास एवं प्रश्न-पत्र की रूपरेखा

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (30 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

***Note:** Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

C PART C — COURSES OF STUDIES

C.1 पत्र परिचय-संकेत

PAPER PROFILE	
Paper Code	MAHND-CC202
Title of the Paper	Core Course II: आधुनिक हिंदी कविता-I
Programme / Subject	MA- HINDI
Semester	Semester II
Nature of Course	Core Course (CC)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 अंक-वितरण

Component	Paper I	IA	Total (ESE+IA/ESE)
End Semester Examination	70	—	70
Internal Assessment	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**45 (45%)**

नोट: आंतरिक मूल्यांकन कक्षा में उपस्थिति, कक्षा जाँच-परीक्षा, संगोष्ठी, परियोजना और मौखिकी के आधार पर संपन्न होगा।

C.3 पत्र का उद्देश्य (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	विद्यार्थियों को भारतेंदु युग से छायावाद तक हिंदी की आधुनिक कविता के उद्भव, विकास और वैचारिक पृष्ठभूमि का ज्ञान प्रदान करना।
COB 2	आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख कवियों एवं उनकी प्रतिनिधि रचनाओं के साहित्यिक, सांस्कृतिक और सौंदर्यपरक पक्षों से परिचित कराना।
COB 3	विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक-सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सौंदर्य-बोध को विकसित करना।
COB 4	विद्यार्थियों की आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास करना क्योंकि यह पत्र विद्यार्थियों को हिन्दी-प्रदेश की आधुनिक-चेतना यात्रा को समझने और साहित्यिक प्रवृत्तियों का तुलनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम बनाता है।
COB 5	विद्यार्थियों में मानवीय संवेदना और भावनात्मक विकास करना क्योंकि पत्र में निर्दिष्ट

	कवियों की कविताएं प्रकृति और मनुष्य के बीच गहन संवेदनात्मक संबंध से संबद्ध हैं।

C.4 पत्र अधिगम परिणाम (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता के विकासक्रम तथा भारतेंदु युग से छायावाद तक की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे।
CLO 2	वे भारतेंदु हरिश्चंद्र, श्रीधर पाठक, मैथिलीशरण गुप्त, हरिऔध, प्रसाद, निराला, पंत एवं महादेवी वर्मा की काव्य-दृष्टि का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे।
CLO 3	विद्यार्थी तत्कालीन सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों और स्वाधीनता आन्दोलन एवं जन-आंदोलनों के साहित्यिक प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे।
CLO 4	विद्यार्थियों में काव्य-पाठ, व्याख्या, समीक्षा तार्किक और आलोचना-क्षमता का विकास होगा, वे एक ही युग-विशेष के कविताओं के आपसी अन्तर का मूल्यांकन कर पायेंगे।

C.5 पाठ्यक्रम - इकाईवार विभाजन

पत्र का नाम : आधुनिक हिंदी कविता-I MAHND-CC202		
इकाई	अंतर्वस्तु	अनुशंसित व्याख्यान अवधि
I	हिन्दी की आधुनिक कविताः उदय की पृष्ठभूमि(भारतेंदु युग से छायावाद तक)	8–10
II	**भारतेंदु हरिश्चंद्रः नये जमाने की मुकरी(भारतेंदु संचयन, संपादक-रामजी यादव, भारतीय पुस्तक परिषद)** ---- सब गुरूजन को बुरो बतावे.. ---- तीन बुलाए तेरह धावें... ---- सुन्दर बानी कहि समुझावै.. ---- सीटी देकर पास बुलावै.. ---- रूप दिखावत सरबस.. ---- भीतर-भीतर सब रस चूसै --- उनकी उनकी खिदमत करो, रूपया देते-देते मरो **श्रीधर पाठक— `हिंद-वंदना` (पुस्तकः कवि-भारती, रचनाकारः श्रीधर पाठक, साहित्य प्रेस, संस्करण 1953)** --- जय देश हिंद, जय देशेश हिंद...	12–15
III	**मैथिलीशरण गुप्त— भारत-भारती/ अतीत-खंड/कला-कौशल(प्रकाशन- साहित्य सदन, चिरगांव, झांसी)**	12–15

	---`अब लुप्त सी जो हो गई रक्षित न रहने से यहां`... **से** `है अन्य नाटक कौन उसका साम्य कर सकता भला..` **तक** **अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध**– हिन्दीसमय.कॉम पर उपलब्ध ---- **फूल और कांटा** तथा **आंख का आंसू** शीर्षक कविता	
IV	जयशंकर प्रसाद- कामायनी- श्रद्धा सर्ग सूर्यकांत त्रिपाठी निराला—राम की शक्तिपूजा, कुकुरमुत्ता	12–15
V	सुमित्रानंदन पंत— बादल, परिवर्तन महादेवी वर्मा— पंथ होने दो अपरिचित, यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो(संधिनी, लोकभारती प्रकाशन,प्रयागराज, पूछता क्यों शेष कितनी रात(अग्निरेखा, राजकमल प्रकाशन	12–15
	कुल अनुशंसित व्याख्यान	**60 (4 क्रेडिट के पत्र हेतु)**

C.6 आधार ग्रंथ:

1. रमेशचंद्र शाह रचनाकार(संपा): सूर्यकांत त्रिपाठी निराला-निराला संचयिता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. जयशंकर प्रसाद- कामायनी- लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
3. सुमित्रानंदन पंत- पल्लव- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. महादेवी वर्मा- आत्मिका- राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
5. महादेवी वर्मा- संधिनी- लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
6. महादेवी वर्मा- अग्निरेखा- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

C.7 संदर्भ ग्रंथ:

1. शमशेर बहादुर सिंह : दोआब, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
2. गजानन माधव मुक्तिबोध : कामायनी : एक पुनर्विचार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. रामविलास शर्मा : निराला की साहित्य साधना, भाग-2, , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. दूधनाथ सिंह : निराला : एक आत्महन्ता आस्था, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. नगेन्द्र : सुमित्रानन्दन पन्त, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
6. जगदीश गुप्त : महादेवी वर्मा, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
7. रमेश चन्द्र शाह : छायावाद की प्रासंगिकता, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर.
8. प्रेमशंकर : प्रसाद का काव्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
9. नन्ददुलारे वाजपेयी : हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
10. शचीरानी गुर्टू (सं) : महादेवी वर्मा : काव्य-कला और जीवन-दर्शन, आत्माराम एंड संस
11. डॉ० नागेन्द्र : कामायनी के अध्ययन की समस्याएं, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
12. रामस्वरूप चतुर्वेदी : कामायनी का पुनर्मूल्यांकन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. वागीश शुक्ल : छंद छंद पर कुंकुम, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली.

14. रामधारी सिंह दिनकर : पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
15. दूधनाथ सिंह : महादेवी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
16. नामवर सिंह : छायावाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

C.7 अनुशंसित ई-संसाधन

- www.hindisamay.com
- www.hindwi.org
- www.kavitakosh.org
- www.gadyakosh.org
- e-PG Pathshala: https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=Ou87QKvJCO+SE37bEZFbPA==

C.8 मूल्यांकन विन्यास एवं प्रश्न-पत्र की रूपरेखा

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (30 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

C PART C — COURSES OF STUDIES

C.1 पत्र परिचय-संकेत

PAPER PROFILE	
Paper Code	MAHND-CC203
Title of the Paper	Core Course III: आधुनिक हिंदी कविता-II
Programme / Subject	MA- HINDI
Semester	Semester II
Nature of Course	Core Course (CC)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 अंक-वितरण

Component	Paper I	IA	Total (ESE+IA/ESE)
End Semester Examination	70	—	70
Internal Assessment	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**45 (45%)**

नोट: आंतरिक मूल्यांकन कक्षा में उपस्थिति, कक्षा जाँच-परीक्षा, संगोष्ठी, परियोजना और मौखिकी के आधार पर संपन्न होगा।

C.3 पत्र का उद्देश्य (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	विद्यार्थियों को आधुनिक युग की सामाजिक, राजनीतिक और दार्शनिक परिस्थितियों से अवगत कराना। इसके माध्यम से छात्र बदलते युगबोध, यथार्थवाद, भाषा-शिल्प के नवाचारों और मानवीय मूल्यों का विश्लेषण करना सीखेंगे।
COB 2	विद्यार्थियों में भारतीय आधुनिकता के ऐतिहासिक विकास-क्रम के बारे में बोध विकसित करना और भारत की सामाजिक वास्तविकता की साहित्यिक अभिव्यक्तियों से अवगत कराना।
COB 3	विद्यार्थियों में मौलिक चिन्तन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना ताकि विद्यार्थी लीक से हटकर सोचें, साहित्यिक अभिव्यक्ति की नई शैलियों का तुलनात्मक मूल्यांकन कर सकें।
COB 4	विद्यार्थियों में साहित्यिक पाठ के विश्लेषण के माध्यम से व्यक्ति-स्वातंत्र्य, आत्म-चेतस् नागरिकता-भाव और वर्तमान चुनौतियों के प्रति चेतना उत्पन्न करना ।

COB 5	हिन्दी की समकालीन काव्यात्मक अभिव्यक्तियों को मौजूदा परिप्रेक्ष्य में परखने की दृष्टि प्रदान करेगा।

C.4 पत्र अधिगम परिणाम (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	इस पत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता और समसामयिक जीवन-मूल्यों की आलोचनात्मक परख विकसित होगी।
CLO 2	साहित्यिक प्रवृत्तियों के तुलनात्मक अध्ययन से प्राप्त आलोचनात्मक दृष्टि विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शोध और विश्लेषणात्मक कार्यों में सहायक होगा।
CLO 3	विद्यार्थियों में मानवीय संवेदना और भावनात्मक विकास हो सकेगा क्योंकि पत्र में निर्दिष्ट कवियों की कविताएं प्रकृति और मनुष्य के बीच गहन संवेदनात्मक संबंध से संबद्ध हैं।
CLO 4	विद्यार्थी रचनाकारों के साहित्यिक अवदान का विवेचन करने में सक्षम होंगे।

C.5 पाठ्यक्रम - इकाईवार विभाजन

पत्र का नाम : आधुनिक हिंदी कविता-II MAHND-CC203		
इकाई	अंतर्वस्तु	अनुशंसित व्याख्यान अवधि
I	**नागार्जुन**--बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद **केदारनाथ अग्रवाल**- फूल नहीं रंग बोलते हैं, आज नदी बिल्कुल उदास थी, जो जीवन की धूल चाटकर बड़ा हुआ है	12–15
II	**शमशेर बहादुर सिंह** : काल तुझसे होड़ है मेरी, उषा, गजानन मुक्तिबोध **गजानन माधव मुक्तिबोध** –अंधेरे में, मुझे कदम कदम पर..	12–15
III	**अज्ञेय**- असाध्य वीणा **सर्वेश्वर दयाल सक्सेना**- देश कागज पर बना नक्शा नहीं होता	12–15
IV	**दिनकर:** आलोकधन्वा, हाहाकार, दिगंबरी **केदारनाथ सिंहः** बिना नाम की नदी, बुद्ध की मुस्कान **रघुवीर सहायः** कोई एक और मतदाता, लोग भूल गये हैं	12–15
V	**आलोक धन्वाः** ब्रूनो की बेटियाँ। **अनामिकाः** आम्रपाली। **जयप्रकाश कर्दमः** वर्णवाद का पहाड़ा। **निर्मला पुतुलः** उतनी दूर मत ब्याहना बाबा!	08–10
	कुल अनुशंसित व्याख्यान	**60 (4 क्रेडिट के पत्र हेतु)**

C.6 आधार ग्रंथ:

1. नागार्जुनः युगधारा(1953), यात्री प्रकाशन, दिल्ली.
2. राजेश जोशी (संपा.) नागार्जुन रचना संचयन, प्रकाशन : साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
3. शमशेर बहादुर सिंहः प्रतिनिधि कविताएं, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. गजानन माधव मुक्तिबोधः चांद का मुंह टेढ़ा है, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली
5. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'- आंगन के पार द्वार, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली
6. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना- खूंटियों पर टंगे लोग, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना- प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. दिनकर, हुँकार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. केदारनाथ सिंह- जमीन पक रही है, प्रकाशन संस्थान, शाहदरा, दिल्ली
10. केदारनाथ सिंह- प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. कृष्ण कुमार(संपा), रघुवीर सहाय संचयिता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
12. अनामिका- दूब-धान(संग्रह)- वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. आलोकधन्वा- दुनिया रोज बनती है, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. कँवल भारती (संपा.), दलित निर्वाचित कविताएँ, इतिहासबोध प्रकाशन, इलाहाबाद
15. निर्मला पुतुल, नगाड़े की तरह बजते शब्द, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

C.7 संदर्भ ग्रंथ:

1. शमशेर बहादुर सिंह, कुछ और गद्य रचनाएं, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, समकालीन हिन्दी कविता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. नन्द किशोर नवल, समकालीन काव्य-यात्रा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. नन्द किशोर नवल, मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. डॉ० रणजीत, हिन्दी के प्रगतिशील और समकालीन कवि, साहित्य रत्नालय, कानपुर।
6. नामवर सिंह, कविता के नये प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. नामवर सिंह, कविता की जमीन और जमीन की कविता, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. राम विलास शर्मा, नयी कविता और अस्तित्ववाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. विश्वम्भर मानव, रामकिशोर शर्मा, आधुनिक कवि—लोकभारती प्रकाशन।
10. रामस्वरूप चतुर्वेदी, आधुनिक कविता यात्रा, लोकभारती प्रकाशन।
11. अशोक वाजपेयी, कविता के तीन दरवाजे, राजकमल राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. नन्दकिशोर नवल, हिन्दी कविता अभी बिल्कुल अभी, राजकमल।
13. ए० अच्युतानन्दन, समकालीन हिन्दी कविता, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
14. निर्मला जैन (संपा.), अन्तस्तल का पूरा विप्लव : अँधेरे में, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
15. चंचल चौहान, मुरली मनोहर प्रसाद सिंह, नागार्जुन अंतरंग और सृजनकर्म, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

C.7 अनुशंसित ई-संसाधन

- www.hindisamay.com
- www.hindwi.org
- www.kavitakosh.org
- www.gadyakosh.org

C.8 मूल्यांकन विन्यास एवं प्रश्न-पत्र की रूपरेखा

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (30 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

C PART C — COURSES OF STUDIES

C.1 पत्र परिचय-संकेत

PAPER PROFILE	
Paper Code	MAHND-CC204
Title of the Paper	Core Course IV: हिंदी उपन्यास
Programme / Subject	MA- HINDI
Semester	Semester II
Nature of Course	Core Course (CC)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 अंक-वितरण

Component	Paper I	IA	Total (ESE+IA/ESE)
End Semester Examination	70	—	70
Internal Assessment	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**45 (45%)**

नोट: आंतरिक मूल्यांकन कक्षा में उपस्थिति, कक्षा जाँच-परीक्षा, संगोष्ठी, परियोजना और मौखिकी के आधार पर संपन्न होगा।

C.3 पत्र का उद्देश्य (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	हिंदी उपन्यास के उद्भव, विकास एवं उसकी प्रमुख प्रवृत्तियों का सम्यक् ज्ञान प्रदान करना।
COB 2	हिंदी के प्रमुख उपन्यासकारों एवं उनके प्रतिनिधि उपन्यासों के आलोचनात्मक अध्ययन की क्षमता विकसित करना।
COB 3	उपन्यासों में निहित सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं मानवीय सरोकारों की समझ विकसित करना।
COB 4	विभिन्न कालखंडों के हिंदी उपन्यासों के माध्यम से भारतीय समाज और जीवन-दृष्टि का विश्लेषण करना।
COB 5	विद्यार्थियों में साहित्यिक संवेदना, आलोचनात्मक चिंतन तथा शोधपरक दृष्टिकोण का विकास करना।

C.4 पत्र अधिगम परिणाम (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	विद्यार्थी हिंदी उपन्यास की विकास-यात्रा एवं प्रमुख प्रवृत्तियों की सम्यक् समझ विकसित कर सकेंगे।
CLO 2	वे प्रेमचंद, रेणु, भीष्म साहनी, संजीव तथा मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यासों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे।
CLO 3	विद्यार्थी उपन्यासों में चित्रित सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं मानवीय प्रश्नों का विश्लेषण कर सकेंगे।
CLO 4	उनमें साहित्यिक संवेदनशीलता, आलोचनात्मक दृष्टि तथा शोधपरक अध्ययन की क्षमता का विकास होगा।

C.5 पाठ्यक्रम - इकाईवार विभाजन

पत्र का नाम : हिंदी उपन्यास MAHND-CC204		
इकाई	अंतर्वस्तु	अनुशंसित व्याख्यान अवधि
I	हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास, हिंदी उपन्यास की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, उपन्यासकार एवं उपन्यास का आलोचनात्मक अध्ययन : प्रेमचंद - गोदान	12
II	उपन्यासकार एवं उपन्यास का आलोचनात्मक अध्ययन : फणीश्वरनाथ रेणु - मैला आँचल	12
III	उपन्यासकार एवं उपन्यास का आलोचनात्मक अध्ययन : भीष्म साहनी - तमस	12
IV	उपन्यासकार एवं उपन्यास का आलोचनात्मक अध्ययन : संजीव - सूत्रधार	12
V	उपन्यासकार एवं उपन्यास का आलोचनात्मक अध्ययन : मैत्रेयी पुष्पा - इदन्नमम	12
	कुल अनुशंसित व्याख्यान	60 (4 क्रेडिट के पत्र हेतु)

C.6 आधार ग्रंथ:

1. प्रेमचंद, गोदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. फणीश्वरनाथ रेणु, मैला आँचल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भीष्म साहनी, तमस, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मैत्रेयी पुष्पा, इदन्नमम, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. संजीव, सूत्रधार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

C.7 संदर्भ ग्रंथ:

1. डॉ० गोपाल राय : गोदान : नया परिप्रेक्ष्य, अनुपम प्रकाशन, पटना
2. राम विलास शर्मा : प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल, दिल्ली
3. नेमिचंद जैन : अधूरे साक्षात्कार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. विजय मोहन सिंह : कथा समय, राधाकृष्ण, दिल्ली
5. भारत यायावर, रेणु से भेंट, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. ज्ञानचंद जैन : प्रेमचंद पूर्व के हिन्दी उपन्यास, आर्य प्रकाशन मंडल, दिल्ली
7. मधुरेश : हिन्दी उपन्यास का विकास, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद
8. राल्फ फॉक्स : उपन्यास और लोक जीवन, पी पी एच, दिल्ली
9. मीनाक्षी मुखर्जी : रियलिज्म एण्ड रियालिटी : दी नोवेल एण्ड सोसायटी इन इंडिया, ओ. यू. पी., दिल्ली
10. गीतांजली पाण्डेय : बिटवीन टू वर्ल्ड्स: ऐन इंटेलेक्चुअल बायोग्राफ़ी ओफ़ प्रेमचंद , मनोहर पब्लिकेशन दिल्ली
11. सत्यप्रकाश मिश्र सं० : गोदान का महत्व, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद
12. प्रभा खेतान : उपनिवेश में स्त्री, राजकमल, दिल्ली
13. वीरेन्द्र यादव : उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पत्रिकाएँ

1. हंस विशेषांक (हिन्दी उपन्यास) : एक सदी, जनवरी, 1999, सं० राजेन्द्र यादव, अक्षर प्रकाशन, 2/36, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली, 110 002
2. सं० नंदकिशोर नवल : कसौटी पत्रिका, बीसवीं सदी : कालजयी कृतियाँ, समापन अंक, सं. 15, पुनश्च, पटना 2004.
3. समवेत पत्रिका, फणीश्वरनाथ रेणु विशेषांक, जनवरी-जून, 2021
4. संवेद पत्रिका, फणीश्वरनाथ रेणु शताब्दी स्मरण, मार्च, 2021

C.7 अनुशंसित ई-संसाधन

- www.hindisamay.com
- www.hindwi.org
- www.kavitakosh.org
- www.gadyakosh.org
- e-PG Pathshala: https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=Ou87QKvJCO+SE37bEZFbPA==

C.8 मूल्यांकन विन्यास एवं प्रश्न-पत्र की रूपरेखा

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (30 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

C PART C — COURSES OF STUDIES

C.1 पत्र परिचय-संकेत

PAPER PROFILE	
Paper Code	MAHND-GE205
Title of the Paper	General Elective-I: जन-संपर्क एवं विज्ञापन
Programme / Subject	MA- HINDI
Semester	Semester II
Nature of Course	General Elective Course (GE)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 अंक-वितरण

Component	Paper I	IA	Total (ESE+IA/ESE)
End Semester Examination	70	—	70
Internal Assessment	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**45 (45%)**

नोट: आंतरिक मूल्यांकन कक्षा में उपस्थिति, कक्षा जाँच-परीक्षा, संगोष्ठी, परियोजना और मौखिकी के आधार पर संपन्न होगा।

C.3 पत्र का उद्देश्य (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	विद्यार्थियों को पत्रकारिता और मीडिया कारोबार प्रबंधन से परिचित कराना ।
COB 2	विद्यार्थियों पत्रकारिता विज्ञापन और जन संपर्क की भूमिका, महत्व और पारस्परिक संबंधों से अवगत कराना।
COB 3	विद्यार्थियों में उद्यमिता की प्रवृत्ति विकसित करना।
COB 4	विद्यार्थियों में पेशेवर अभिवृत्ति का विकास करना।
COB 5	विद्यार्थियों को विज्ञापन एवं जनसंपर्क कर्म के नैतिक एवं विधायी पहलुओं से परिचित कराना तथा उनमें तत्संबंधी आलोचनात्मक मूल्यांकन की क्षमता जगाना।

C.4 पत्र अधिगम परिणाम (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	विद्यार्थी जन-संपर्क की व्यापक धारणा और कारोबारी-अंतर्वस्तु के निर्माण में उसके महत्व से अवगत होंगे।
CLO 2	विज्ञापनों की रचना-प्रक्रिया और उसके उद्देश्यों को जानेंगे।
CLO 3	विद्यार्थियों में विज्ञापनों की अंतर्वस्तु के विवेचन, मूल्यांकन की क्षमता विकसित होगी।
CLO 4	विज्ञापनों के सामाजिक-सांस्कृतिक संबंधों से परिचित होंगे।

C.5 पाठ्यक्रम - इकाईवार विभाजन

पत्र का नाम : जनसंपर्क एवं विज्ञापन MAHND-GE205		
इकाई	अंतर्वस्तु	अनुशंसित व्याख्यान अवधि
I	जनसंपर्क • जनसंपर्कः अवधारणा, परिभाषा, भूमिका और उद्देश्य • मीडिया में समाचार के स्रोत के तौर पर जनसंपर्क • जनसंपर्क प्रक्रिया और उसका सामाजिक एवं राजनीतिक संदर्भ • जनसंपर्क के साधन और तरीके • नैतिक और विधायी मुद्दे (पेड न्यूज़, एडवर्टोरियल, विशेषांक, बिजनेस चैनल में स्टॉक बाज़ार का विश्लेषण; पेड एपीयरेंस, आदि)	12–15
II	**मीडिया-संपर्क(Media Relation) के तरीके** • सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में जनसंपर्क • लक्षित समूह सेग्मन्टेशन • भारतीय संदर्भ में सोशल मार्केटिंग • डिजिटल दौर में जनसंपर्क की चुनौतियाँ • सोशल मीडिया हैंडलिंग	12–15
III	**विज्ञापन** • विज्ञापन: अवधारणा, भूमिका, उद्देश्य और महत्व • विज्ञापन के कार्य, प्रकार और विज्ञापन से जुड़े मुद्दे • मीडिया और विज्ञापन पर वर्तमान विमर्शः समाचार की वस्तुनिष्ठता और निष्पक्षता पर प्रभाव • विज्ञापन एजेंसी का ढाँचा उसके विभिन्न विभाग और उनके कार्य • सृजनात्मकता और कैंपेन प्लानिंग	12–15
IV	**विज्ञापन के प्रभाव**	12–15

	• आर्थिक और सामाजिक प्रभाव • मीडिया प्लानिंग और मीडिया क्रय की अवधारणा • विज्ञापन में कानून और नैतिकता • ब्रांड प्रबंधन : मूल तत्व • विज्ञापन में कानूनी और नैतिकता के मुद्दे • डिजिटल दौर में विज्ञापन • डिजिटल मार्केटिंग	
V	**विज्ञापन और समाज** • विज्ञापन और लैंगिक मुद्दे • विज्ञापन में सामाजिक नैतिकता के प्रश्न • विज्ञापन की सामाजिक आलोचना • भारत में विज्ञापन से संबंधित वैधानिक निकाय	08-10
	कुल अनुशंसित व्याख्यान	**60 (4 क्रेडिट के पत्र हेतु)**

C.6 आधार ग्रंथ:

1. जयश्री जेठवानी- विज्ञापन और जनसंपर्क, सागर प्रकाशन, नई दिल्ली
2. गुलाब कोठारी- भारत में समाचार पत्र प्रबंधन, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर

C.7 संदर्भ ग्रंथ:

1. वनिता कोहली खांडेकर- भारतीय मीडिया व्यवसाय , सेज/ भाषा प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017
2. प्रदीप सौरभ- भारत में विज्ञापन, मानुषी, नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत, 2014
3. Cutlip Scott M Etal- Effective Public Relations, New Jersy: Prentice Hall, 1994
4. Jaishri Jethwaney-Public Relations Concepts, Strategies and Tools Sterling, New Delhi: 1994
5. Jaishri Jethwaney- Advertising,Phonix Publishing House, New Delhi, 1999

C.7 अनुशंसित ई-संसाधन

e-PG Pathshala: https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=Ou87QKvJCO+SE37bEZFbPA==

C.8 मूल्यांकन विन्यास एवं प्रश्न-पत्र की रूपरेखा

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (30 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

C PART C — COURSES OF STUDIES

C.1 पत्र परिचय-संकेत

PAPER PROFILE	
Paper Code	MAHND-GE206
Title of the Paper	General Elective II: अनुवाद कौशल
Programme / Subject	MA- HINDI
Semester	Semester II
Nature of Course	General Elective Course (GE)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 अंक-वितरण

Component	Paper I	IA	Total (ESE+IA/ESE)
End Semester Examination	70	—	70
Internal Assessment	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**45 (45%)**

नोट: आंतरिक मूल्यांकन कक्षा में उपस्थिति, कक्षा जाँच-परीक्षा, संगोष्ठी, परियोजना और मौखिकी के आधार पर संपन्न होगा।

C.3 पत्र का उद्देश्य (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	विद्यार्थियों को अनुवाद की अवधारणा, स्वरूप, प्रकार एवं प्रक्रिया का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
COB 2	साहित्य, जनसंचार, प्रशासन, विज्ञान तथा तकनीकी क्षेत्रों में अनुवाद की भूमिका और उपयोगिता से परिचित कराना।
COB 3	हिंदी और अंग्रेजी के मध्य भाषिक अंतरण की दक्षता तथा अनुवाद कौशल का विकास करना।
COB 4	अनुवाद पुनरीक्षण, मूल्यांकन, तत्काल भाषांतरण तथा मीडिया अनुवाद की प्रविधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना।
COB 5	मशीनी अनुवाद, अनुवाद उपकरणों एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुवाद तकनीकों के प्रभावी उपयोग की समझ विकसित करना।

C.4 पत्र अधिगम परिणाम (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	विद्यार्थी अनुवाद के सिद्धांतों, प्रक्रियाओं एवं विभिन्न प्रकारों की सम्यक् समझ विकसित कर सकेंगे।
CLO 2	वे हिंदी-अंग्रेजी तथा अंग्रेजी-हिंदी अनुवाद को प्रभावी ढंग से संपादित, पुनरीक्षित एवं मूल्यांकित करने में सक्षम होंगे।
CLO 3	विद्यार्थी साहित्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक एवं मीडिया अनुवाद की व्यावहारिक दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।
CLO 4	वे मशीनी अनुवाद, अनुवाद उपकरणों तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों का अनुवाद कार्य में प्रभावी उपयोग कर सकेंगे।

C.5 पाठ्यक्रम - इकाईवार विभाजन

पत्र का नाम : अनुवाद कौशल MAHND-GE206		
इकाई	अंतर्वस्तु	अनुशंसित व्याख्यान अवधि
I	अनुवाद की अवधारणा एवं स्वरूप; अनुवाद के प्रकार और क्षेत्र; अनुवाद की प्रक्रिया – पाठ विश्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन	12–15
II	साहित्य और अनुवाद का अंतः संबंध; जनसंचार माध्यम और अनुवाद; अनुवाद का अनुप्रयुक्त पक्ष; भारतीय बहुभाषिकता और अनुवाद का महत्व	12–15
III	सामाजिक तथा सांस्कृतिक क्षेत्र में अनुवाद; साहित्यिक अनुवाद; वैज्ञानिक अनुवाद; तकनीकी अनुवाद; राजभाषा और अनुवाद	12–15
IV	भाषिक अंतरण – अंग्रेजी-हिंदी, हिंदी-अंग्रेजी; अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन की प्रक्रिया; तत्काल भाषांतरण की प्रविधि; मीडिया अनुवाद – फिल्म अनुवाद (डबिंग और सबटाइटलिंग)	12–15
V	मशीनी अनुवाद व अनुवाद के उपकरण, अनुवाद में कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) का प्रयोग	8–10
	कुल अनुशंसित व्याख्यान	**60 (4 क्रेडिट के पत्र हेतु)**

C.6 आधार ग्रंथ:

1. डॉ० नगेंद्र, *अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग,* हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
2. जी गोपीनाथन, *अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग,* लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
3. सुरेश कुमार, *अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा,* वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. प्रो. कृष्ण कुमार गोस्वामी, *अनुवाद विज्ञान की भूमिका,* राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. मुकुल, प्रो. मंजु, *मीडिया में अनुवाद का संप्रेषणधर्मी मीडिया मॉडल,* हंस प्रकाशन, दिल्ली।
6. Rainer, Nagele, *Echos of Translation: Reading between Texts,* John Hopkins University Press,
7. Poibeau, Thierry, *Machine Translation,* The MIT Press, London

C.7 संदर्भ ग्रंथ:

1. किशोरीलाल कल्लवर, हिंदी अनुवाद परंपरा- एक अनुशीलन;, नवभारत प्रकाशन, दिल्ली
2. सुरेश कुमार, अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. विभा गुप्ता, अनुवाद के भाषिक पक्ष, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. कामताप्रसाद गुरु, हिंदी व्याकरण, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
5. भोलानाथ तिवारी, अनुवाद विज्ञान: सिद्धांत एवं प्रविधि;; किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
6. रमेश चंद्र, व्यावहारिक अनुवाद कला, नीलकंठ प्रकाशन, दिल्ली
7. पूरनचंद टंडन, अनुवाद साधना, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
8. अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार; जयंती प्रसाद नौटियाल; राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

C.7 अनुशंसित ई-संसाधन

- e-PG Pathshala: https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=Ou87QKvJCO+SE37bEZFbPA==

C.8 मूल्यांकन विन्यास एवं प्रश्न-पत्र की रूपरेखा

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (30 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

D PART D — GENERAL REGULATIONS & PROVISIONS

D.1 Attendance & Eligibility

- A student must have a minimum of 75% attendance in each paper to be eligible to appear in the Semester / Annual Examination.
- Condonation of attendance deficiency shall be governed by the Regulation..
- A student detained due to shortage of attendance may appear to the examinations of same semester in the next academic session subject to payment of prescribed fees.

D.2 Examination & Promotion Rules

- A student is required to clear **at least** 60% (4 out of 6) papers of a particular Semester before being promoted to the succeeding Semester.
- Back / Ex-Student candidates shall be governed by the rules in force at the time of their original admission unless otherwise specifically notified.
- A candidate who fails in one or more papers shall be required to appear only in the failed paper(s) (Carry Forward System) in subsequent examinations of the same Semester.
- A candidate is required to clear all his papers within a maximum of **Five Years of duration** to qualify for the degree.

D.3 Grading System (CBCS)

Letter Grade	% Range	Grade Point	Performance Description	Remarks
O	≥90-100	10	Outstanding	Pass
A+	≥80<90	9	Excellent	Pass
A	≥70<80	8	Very Good	Pass
B+	≥60<70	7	Good	Pass
B	≥55<60	6	Above Average	Pass
C	≥50<55	5	Average	Pass
P	≥45<50	4	Pass	Pass
F	<45	0	Fail	Fail
Ab/M	0	0	Absent/Malpractice	Fail / Reappear

E PART E — ABBREVIATIONS & AUTHENTICATION

E.1 List of Abbreviations

Abbr.	Expansion	Abbr.	Expansion

CC	Core Course	DSE	Discipline Specific Elective
GE	Generic Elective	OE	Open Elective
AEC	Ability Enhancement Course	VAC	Value Added Course
SEC	Skill Enhancement Course	IKS	Indian Knowledge System
L	Lecture (hours per week)	T	Tutorial (hours per week)
P	Practical (hours per week)	IA	Internal Assessment
CCA	Continuous & Comprehensive Assess.	CLO	Course Learning Outcome
PLO	Programme Learning Outcome	GA	Graduate Attribute
NHEQF	National HE Qualifications Framework	PROJ	Project / Dissertation

E.2 Authentication

Subject Expert-1
Dr. Ram Uday Kumar
Professor & Head, Hindi Dept.
Gaya College, Gaya
Magadh University, Bodh Gaya
Date: 15.06.26

Subject Expert-2
Dr. Chandan Kr. Shrivastava)
Sr. Assistant Professor
University Dept. of Hindi
J.P.U, Chhapra
Date: 15-06-2026

Subject Expert-3
(Dr. Aakash Kumar)
Sr. Assistant Professor of Hindi
Principal-In-Charge
Rajkiya Degree Mahavidyalaya, Obra
Magadh University, Bodh Gaya
Date: 15-06-2026